उशीरेति ॥७॥ यत्राग्नित्यमिध्यतइतित्रियोगिनारायणात्व्यंहरिद्वारात्परतः स्थानमस्ति ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ७ ॥ ८ ॥ १ ॥ १ ॥ वशालाबद्री ॥ १ १ ॥ १ ३ ॥ १ ३ ॥ १ ४ ॥ १ ५ ॥